(जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान भारत मौसम विभाग, नई दिल्ली के आधार पर तैयार की गई)
चौ स कु हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय]-176 062, हिमाचल प्रदेश
[सस्य, सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
विज्ञप्ति क्र. **2020/2/Him/Hamirpur/6**

जिला **हमीरपुर** **दिनांक : 30 -11-21**

www.hillagric.ac.in/info/kisano_ke_liye_soochna, email: ranars66@rediffmail.comPh.No. : +91-1894 232245 Fax: 91-1894 230406

आगामी पांच दिनों का मौसम पूर्वानुमान:

मौसमी तत्व/दिनांक	**01-12-21**	**02-12-21**	**03-12-21**	**04-12-21**	**05-12-21**
वर्षा (मि.मी.)	0	5	10	5	0
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	22	21	21	21	22
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	5	8	5	6	6
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	79	70	78	80	82
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	77	68	70	75	79
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	9	9	9	9	9
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	112	163	116	71	72
हवा की दिशा (डिग्री)	1	8	6	0	3
विशेष मौसम चेतावनी					

आगामी पांच दिनों के लिए उक्त जलवायु के हिसाब से निमं कृषीय सलाह दी जाती है:
अगले पांच दिनों में मध्यम वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 21–22 ^{0}C और न्यूनतम तापमान 6-8 ^{0}C के बीच रहने के संभावना है। हवाओं की गति 9 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से चलेंगी. सापेक्षित आद्रता लगभग 68-82 के बीच रहेंगी। मध्यम बादलों की संभावना है।
मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि कार्य

किसान भाई अधिक जानकारी व अनुमोदित कृषि कार्यों के लिए प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा **प्रकाशित पखवाड़ा को अवश्य देखें. साथ में उस क्षेत्र के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञानं केंद्र के साइंटिस्ट से संपर्क करें**

मुख्य फसलें	अवस्था	कीट/ विमारियां व अन्य	कृषिय सलाह
कोरोना (कोविड़-19) **की महामारी** फैलाव **से बचाव हेतु** किसानों को सलाह है कि तैयार फसलों की कटाई गहाई तथा अन्य कृषि कार्यों के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों, व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अंतराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें			
गेहूं	बुवाई		जल्दी लगाए गए गेहूं की फसल में जहां खरपतवार 2-3 पत्तियों की अवस्था है, खरपतवार के नियंत्रण के लिए एक कनाल में 70 ग्राम की दर से स्प्रे isoproturon या Vesta @ 16 ग्राम प्रति 30 लीटर पानी में मिल कर स्प्रे की सलाह दी जाती है।
सरसों			समय पर बोई गई सरसों की फसल में निराई की सिफारिश की जाती है। सरसों साग पालक तथा धनिया में खरपतवार

			नियंत्रण करें.
चारे की फसल	बुवाई		निचेले क्षेत्रों में रबी सीजन के चारे के लिए बरसीम, ल्यूसर्न और जई की बुवाई की सलाह दी जाती है। पहली कट के दौरान चारे का पौष्टिक उत्पादन करने के लिए जईके साथ गोभी सरसन का मिक्स सीड रखने की सलाह दी जाती है।
अनाज भंडारण			भंडारित अनाज की जाँच करें तथा कीट नजर आए तो सेल्फॉस गोलिया @ 3 गोली प्रति टन अनाज की दर से प्रयोग करें तथा ढाँचे को अच्छी तरह से सील कर दें.
सब्जी उत्पादन			सब्जों में पंक्तियों के वीच खली जगह पर घास फूस आदि का मलच या विछोना बना डालने से पैदाबार में बढोतरी होती है किसान भाई सब्जियों की निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों को हटांए।15 से 25 दिन की सब्जियों में नत्रजन बची हुई मात्रा का छिड़काव करें
मूली और शलजम	विजाई		शलजम, गाजर और मूली में 7-10 से.मी. की दूरी पर पौधे लगाने की सलाह दी जाती है ।
प्याज और लहसुन	बुआई		प्याज की बुवाई के लिए अनुकूल है। बीज दर– 10 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर। बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार अवश्य करें। किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें
पाली होउस खेती	बनस्पति और फल अवस्था		तापमान नियंत्रण के लिए साइड और टॉप खोलें। टमाटर, खीरा और शिमला मिर्च की बुवाई और प्रत्यारोपण की सलाह दी। पाउडर फफूंदी के नियंत्रण के लिए, एफिड्स और स्पोडोपेट्रा रसायनों की सिफारिश की जाती है । पॉलीहाउस में पीला चिपचिपा जाल रखें ।
पशुपालन मवेशी भेड़ बकरी इत्यादी		डीवार्मिंग	नवजात बछड़ों में गुलाबी आंखों की बीमारी के, नियंत्रण के लिए उबले हुए पानी में 1% Boric Acid का समाधान तैयार करें और तीन घंटे के नियमित अंतराल पर आंखों को धोएं।घास और हरे चारे का मिश्रण दें। इन दिनों जानवरों को लैंटाना न खाने दें।जानवरों को ठंड से बचाने के लिए ड्राई बेडिंग की व्यवस्था की जाए।युवा बछड़ों को रातों के दौरान शेड में रखना चाहिए।पशुओं के जगह को सुखा रखें। इस मौसम में एक्टो-परजीवी जुओं, चिचाडों के हमले की उम्मीद है, इसकी रोकथाम के लिए Butox @ 2 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से स्प्रे करें। बछड़ों को परजीवियों से बचाने की सलाह दी जाती है। **पशुओं को लाल फूल्नु को खाने से बचाएँ**
मुर्गीपालन		आहार	मुर्गियों को बीमारियों से बचाने के लिए मुर्गीघरो में नमी मत होने दे। राशन में अनाज की मात्रा 5-7% तक बढ़ाएं। पोल्ट्री शेड में ठंडी हवाओं के सीधे प्रवेश से बचें। मुर्गीघरो में डीप-लीटर को दुसरे-तीसरे दिन उलट दे, ताकि बीमारी न फैले I मुर्गियों को साफ पानी दें. फफूंदी लगी आहार को न दें जिस से टाक्सिन निकलने से पर अण्डों की पैदाबार कम हो जाती है । मुर्गियों को बीमारियों से बचाने के लिए मुर्गीघरो में नमी मत होने दे । मुर्गीघरो में डीप-लीटर को दुसरे-तीसरे दिन उलट दे, ताकि बीमारी न फैले ।
मशरूम	पैदाबार		डिंगरी को बंद कमरे में बोया जा सकता है**,** अच्छी फसल के लिए 25-28 डिग्री सेल्सियस तापमान और 80-85% की सापेक्ष आर्द्रता बनाए रखने की सलाह दी जाती है।
फल उत्पादन	पोध संरक्षण		यदि पेड़ों पर दीमक का प्रकोप दिखाई देता है, तो क्लोरपाईरिफास 20 ई.सी. नामक कीटनाशक @3 मिली/ली का छिड़काव करें। **सदाबहार फल में** आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें| पौधरोपण के लिए पौधों का प्रबंध करें| पीच लीफ कर्ल के

			उपचार हेतु **Oxydemeton-methyl 25 % EC** का छिड्काब फूल आने से पहले करें। स्ट्रॉबेरी लगाने की सलाह दी। आम ट्रंक के चारों ओर प्लास्टिक की चादरों को लपेटने के लिए युवा मीली कीड़े की चढ़ाई को रोकने के लिए किया जाना चाहिए। पॉलीथिन शीट में किसी भी दरार को सील करने के लिए तेल लागू करें। यदि स्प्रे कीटनाशक में स्टेम बोरर की समस्या है या उन्हें मिट्टी का तेल लगाने के साथ नियंत्रित करें।पौधों के बेसिनों को खरपतवार से मुक्त रखें। सर्दियों में पौधे जैसे मटरनट, अखरोट, बादाम बेर और आड़ू लगाने के लिए गड्ढों को तैयार करें।आड़ू गम में पेड़ के तने से बाहर आ रहा है, नियंत्रण के लिए बोर्डेक्स पेंट प्रभावित क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है।
मधु मक्खी पालन	सक्रिय	पोषण	मधु मक्खीयों के कमजोर गृहों को बनावटी खुराक 50 प्रतिशत चीनी व 50 प्रतिशत गुड का घोल बन कर दें. फाउल ब्रूड रोग के प्रति सचेत रहे. मौनालय के आसपास घास व खरपतवार नियंत्रण रखें.
मछली पालन	वीज डालने का समय		मछली पालन की ऋतु खत्म हो रही है इसलिए सभी मच्छलियों को निकाल कर व तालाबों को खाली करके इनके रखरखाव की व्यवस्था करें।
पुष्प	फूल बनना	माईटस	यदि पेड़ों पर दीमक का प्रकोप दिखाई देता है, तो क्लोरपाईरिफास 20 ई.सी. नामक कीटनाशक @3 मिली/ली का छिड़काव करें। **सदाबहार फल में** आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें| पौधरोपण के लिए पौधों का प्रबंध करें| स्ट्रॉबेरी लगाने की सलाह दी। आम ट्रंक के चारों ओर प्लास्टिक की चादरों को लपेटने युवा मीली कीड़े की चढ़ाई को रोकने के लिए किया जाना चाहिए। पॉलीथिन शीट में किसी भी दरार को सील करने के लिए तेल लागू करें। यदि स्टेम बोरर की समस्या है उन्हें मिट्टी का तेल लगाने के साथ नियंत्रित करें।पौधों के बेसिनों को खरपतवार से मुक्त रखें। सर्दियों में पौधे जैसे मटरनट, अखरोट, बादाम बेर और आड़ू लगाने के लिए गड्ढों को तैयार करें। आड़ू गम में पेड़ के तने से बाहर आ रहा है, नियंत्रण के लिए बोर्डेक्स पेंट प्रभावित क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है।

सस्य, विज्ञान विभाग कृषि महाविद्यालय

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,

चौ० स. कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विस्वविद्यालय, पालमपुर -176062
हिमाचल प्रदेश